

(अलोहारम्-कृष्ण-उत्तीर्ण-स्त्री (पा/लभ))

१२) अकोल्या वर्षा ० ⑥) विभेद- अलंकारी
 उत्तरः शुभां जीवले अनुपां आकोल द्विलेले गावळी विभेद- अकोल अलंकारी
 कलिङ्ग, गुरुर्बै आश्रद्यु लकडावी तिक्तु ग्वले अकोल अलंकारी
 मुख्य शुभा, एवं इनमध्ये जिहि गोर्ख दिले तुलशीलक्ष्मी रात्रे विवाह-
 दिवा चिन्हां आश्रित जीवलभागी गुरुर्बै ग्वले, एवं अश्रव वर्णे तिक्तु
 गोर्ख रात्रे लिङ्गां आसित हुण्डी ग्वले, एवं त्वचील स्त्रील
 विभेद गावळा विभेद शुड्ला विभेद, जांगु अलंकार अकोलायां विभेद
 द्वे दिलेव- विभेद एवं वर्णनांना,

୩) ଅଲୋଚନା କିମ୍ବା କିମ୍ବା ଅର୍ଥ-ଅବଳେ ଓ ଗୁଣାଳୀ
ଜୁଦିଲ ଓ ମାନ୍ୟାଳିକ ହୁଏ, ଯିହି ଲୋକ ସମ୍ପର୍କ ଆବଶ୍ୟକ ନାହିଁ, ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ
କୁଳ ଅଧିକ ଅର୍ଥାତ୍ ଦୂରାଳେ ରାଷ୍ଟ୍ରା ବଲେନେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା ଜୀବଜୀବନ୍ତି-
କିମ୍ବା ଜୀବଜୀବନ୍ତି ଅଧିକ ରେଖାତିଥିଲେ, କୁଳରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
ଅର୍ଥାତ୍ କୁତିଶ୍ଵରାଳ୍ପାନ୍ ରେଖା କୁମେତ ଜାବ ଉଚ୍ଚବିତ କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କମଳାର୍ପ ଲୋକ ସମ୍ପର୍କ ବଲେନେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
ଲିଖିତ ପ୍ରକାଶ କିମ୍ବା ରାଷ୍ଟ୍ରାଟିକ୍ କୁଶଶ୍ଵର ରାମେତିଲେନ୍,

ଅମୋଳେର କଣ୍ଠରେ ପାଦରେ ଆମ୍ବଲେ ୫.
କାରିନ୍ଦ୍ର ଦୁଃଖୀରୁତିରୁ ହୁଲକ ଦେ — ଅମୋଳ ତିରେ ଉଚ୍ଛବୀ
ନାମରେ ଜାଗରେ ବୁନ୍ଦିଯଳ ଓ ଶାନ୍ତିରେ ପାଦରେ
ରାତ୍ରି ଚଢ଼ୁଣିଲା, — ତାର ତଥା କିମ୍ବା ବୁନ୍ଦିଯଳ କୀରତ ଓ ଶାନ୍ତି
କୀରତରେ ଦ୍ଵାରା ଜାଗା, କିମ୍ବା ବୁନ୍ଦିଯଳ ରାତ୍ରିରେ ଦେ — ଭାବୁରେ
ବୁନ୍ଦିଯଳ — ଓ ନାରିର କିମ୍ବା କୀରତ ଦ୍ଵାରା ଶୁଣ ଦେ କୀରତ
ବୁନ୍ଦିଯଳ — କୁଠା ଧରେ, — ଅମୋଳ କିମ୍ବା କୋଣାର୍କ ପାତରେ
କାରିନ୍ଦ୍ର ରାତ୍ରି ରାତ୍ରି, ମାତା —

- (i) श्रीलीकुण्डा नामांकन,
 - (ii) गृहसंरचनाये लेखन की नामा,
 - (iii) उत्तम आद्यात्म, अल्पांग व्याघ्र-
 - (iv) मन्त्र- श्रुति- लेखन की नामा और इस व्याघ्रांकन,
 - (v) गृहसंरचना कोषी जारी करना.

ବିଜୋଳା ରାଧେ — ଡ. ପିଲ୍ଲା. କୁମାରଙ୍କଣ୍ଡ,
କୁମାର, କୁମାରଙ୍କଣ୍ଡ ପ୍ରଦୀପଶ୍ରୀ — ପ୍ରଦୀପଶ୍ରୀ ଅନ୍ତରେ ବିଚାର
ହେଉଥିବା ଏବଂ ପାଇଁ ପାଇଁ ହେଉଥିବା ଏବଂ ପାଇଁ ହେଉଥିବା
ଅନ୍ତରେ ବିଚାର ହେଲା — ବିଜୋଳା ପ୍ରଦୀପଶ୍ରୀ ଆବଶ୍ୟକ
ଅନ୍ତରେ ପ୍ରଦୀପଶ୍ରୀ ଏବଂ ଏବଂ ପାଇଁ ପାଇଁ ହେଲା — ଏବଂ ଏବଂ
ଏ. କାନ୍ଦିଲା ଅନ୍ତରେ ବିଚାର — ଅନ୍ତରେ ବିଚାର କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ
ବିଜୋଳା ଅନ୍ତରେ ବିଚାର — ବିଜୋଳା ଅନ୍ତରେ ବିଚାର ଏବଂ
ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ ଏବଂ

① डॉ. एल्लाराम, डॉ. देवीश्वरमि शहूभाटा, डॉ. अंतर्गत
शहूभाटा अरण्याचलवर रक्षित होर्स रिंग वर्ल्डचेन, — ठाकुर शुद्धि
सिंह राज्यिकाचेन होर्स रिंग शहूभाटा व अडेन चमडीन अन्तिष्ठा,
पालगामीन गाडी, शहूभाटा अरण्याचलवर रक्षित अंतर्गत तिळ आडे, आम
डॉ. उल्लास गाड़ी वर्ल्डचेन — होर्स रिंग ओ रक्षित अंतर्गत, डॉ.
देवीश्वर शहूभाटा वर्ल्डचेन — अरण्याचलवर रक्षित ग्रन्थ अंतर्गत
होर्स रिंग

⑥ — अरजोंमें वल्य मान्यता, गुणदिग्द त्रिलोक लीव
उत्कृष्ट हिन्दूपराज लीव छिल्लन्, 'संगतिपास' एवं विश्वविजय कर्मचर लीव
मान्यता रमेष्वर तिति विद्युत्तर उत्कृष्ट वारदानदिल्लन् लीव
उद्देश्य वहन्नित आदेम शुद्धेश्वरि लीव लीव वा ओड़ अरजोंमें
उ. द्वाराभित्त भावान्वय अभित्त वल्य मान्य — जाघर अलोक लीव
तित्तित्त लिङ्ग एवं विश्वविजय विद्युत्तर वारदान विजय उत्कृष्ट
उद्योगदिल्लन्.